प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

***कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2*** ***लखनऊ: दिनांक 29 जून, 2017***

विषय:- केन्द्रीय कारागार, वाराणसी में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी बिशुनधारी पुत्र श्री देवनाथ, निवासी जनपद-गाजीपुर की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-9688/प्रोबे0-5-दयायाचिका समिति की बैठक 04.01.2017, दिनांक 28.03.2017 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, वाराणसी में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी बिशुनधारी पुत्र श्री देवनाथ, निवासी-ग्राम-लहना, थाना-गहमर, जनपद-गाजीपुर का रहने वाला है। बन्दी द्वारा जमीनी विवाद की रंजिस को लेकर दिनांक 02/03.07.1981 को 09 सहअभियुक्त के साथ मिलकर पिस्टल व लाठी से मारकर 01 व्यक्ति की हत्या तथा 01 व्यक्ति को घायल कर अपराध कारित किया गया है। उक्त अपराध के लिए बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-268/1981 में भा0द0वि0 की धारा-302/149, 323/149, 148 के अन्तर्गत मा0 सत्र न्यायाधीश, गाजीपुर के आदेश दिनांक 21.09.1982 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया जिसे मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 16.07.2007 द्वारा यथावत रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 30.10.2016 तक 10 वर्ष 05 माह 02 दिन की अपरिहार सजा तथा 12 वर्ष 04 माह 29 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी के 06 अन्य सहअभियुक्त मा0 उच्च न्यायालय से दोषमुक्त, 02 अन्य सहअभियुक्त कारागार में निरूद्ध नहीं तथा 01 सहअभियुक्त की मृत्यु। पुलिस अधीक्षक द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता मे गठित समिति की बैठक दिनांक 11.07.2016 द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति की गयी है लेकिन दयायाचिका समिति द्वारा काटी गयी सजा, कारित अपराध की प्रकृति के दृष्टिगत बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है तथा सक्षम स्तर पर यह पाया गया कि 02 सहअभियुक्त जेल में है, दयायाचिका समिति द्वारा रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। अत: समय से पूर्व रिहाई का औचित्य स्थापित नहीं होता है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी बिशुनधारी (बन्दी संख्या-122/2008) पुत्र श्री देवनाथ, निवासी जनपद-गाजीपुर की संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा **अस्वीकार** कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

**संख्या-496/2017/664/(1)/22-2-2017 तद्दिनांक**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, गाजीपुर।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, वाराणसी।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in